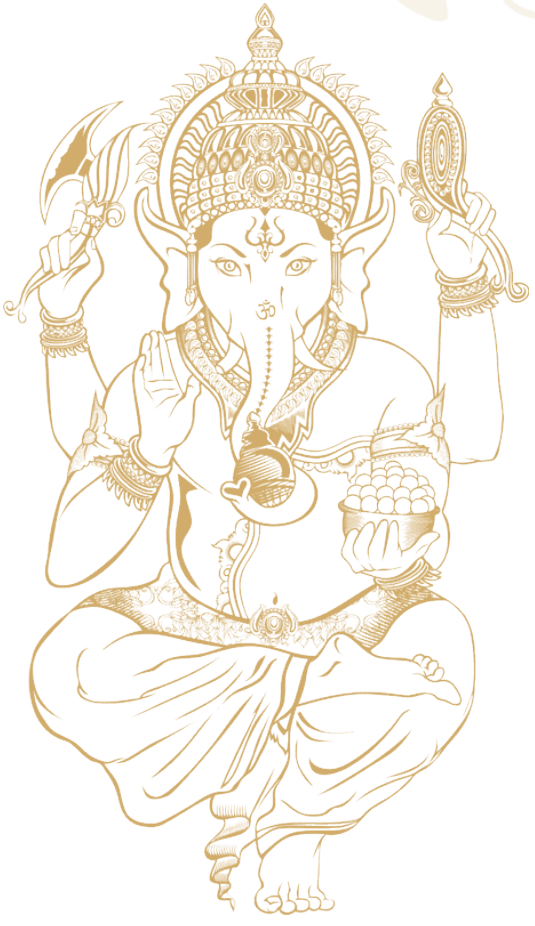

Dev kumar

Khushbu

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121591501

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121591501 Date: 15/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
6-07/09/1998	जन्म तिथि	06/08/2003
रवि-सोमवार	दिन	बुधवार
घंटे 05:31:00	जन्म समय	09:00:00 घंटे
घटी 58:05:21	जन्म समय(घटी)	07:22:05 घटी
India	देश	India
Sojat Road	स्थान	Sojat Road
25:48:00 उत्तर	अक्षांश	25:48:00 उत्तर
73:49:00 पूर्व	रेखांश	73:49:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:44	स्थानिक संस्कार	-00:34:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:16:51	सूर्योदय	06:03:09
18:47:58	सूर्यास्त	19:17:41
23:50:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:13

सिंह	लग्न	सिंह
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
कुम्भ	राशि	वृश्चिक
शनि	राशि-स्वामी	मंगल
पू०भाद्रपद	नक्षत्र	विशाखा
गुरु	नक्षत्र स्वामी	गुरु
3	चरण	4
शूल	योग	शुक्ल
कौलव	करण	बालव
दा-दामोदर	जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	कीटक
सिंह	योनि	व्याघ्र
मनुष्य	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
सर्प	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 6वर्ष 10मा 15दि		09:14:17	सिंह	लग्न	सिंह	27:36:49	गुरु 3वर्ष 6मा 12दि	
बुध		20:20:43	सिंह	सूर्य	कर्क	19:23:02	बुध	
23/07/2024		27:36:13	कुंभ	चंद्र	वृश्चि	00:23:18	16/02/2026	
23/07/2041		17:09:10	कर्क	मंगल व	कुंभ	15:49:36	17/02/2043	
बुध	19/12/2026	04:24:21	सिंह	बुध	सिंह	15:15:54	बुध	15/07/2028
केतु	17/12/2027	00:25:18	मीन व	गुरु	सिंह	01:28:30	केतु	12/07/2029
शुक्र	17/10/2030	06:24:03	सिंह	शुक्र	कर्क	15:54:28	शुक्र	12/05/2032
सूर्य	23/08/2031	09:21:58	मेष व	शनि	मिथु	14:03:21	सूर्य	19/03/2033
चन्द्र	21/01/2033	07:39:01	सिंह व	राहु	वृष	02:21:02	चन्द्र	18/08/2034
मंगल	19/01/2034	07:39:01	कुंभ व	केतु	वृश्चि	02:21:02	मंगल	15/08/2035
राहु	07/08/2036	15:39:22	मक व	हर्ष व	कुंभ	07:38:55	राहु	04/03/2038
गुरु	13/11/2038	05:51:44	मक व	नेप व	मक	17:50:28	गुरु	09/06/2040
शनि	23/07/2041	11:35:28	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	23:28:10	शनि	17/02/2043

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:50:11 चित्रपक्षीय अयनांश 23:54:13

लग्न-चलित

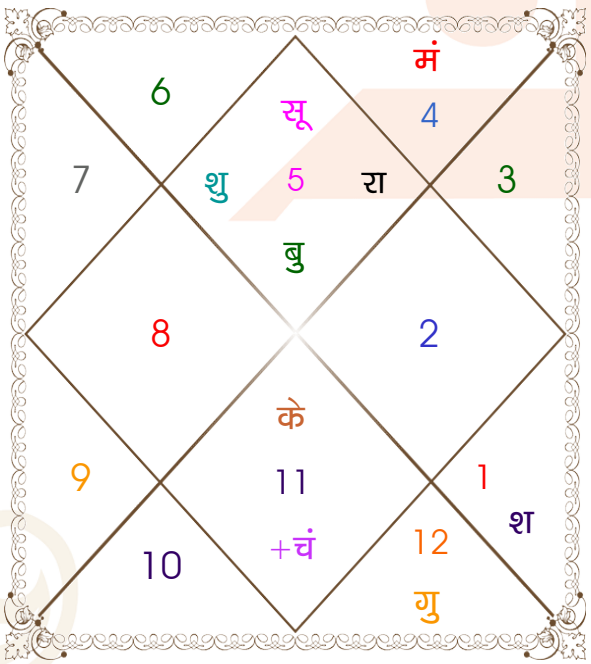

लग्न-चलित

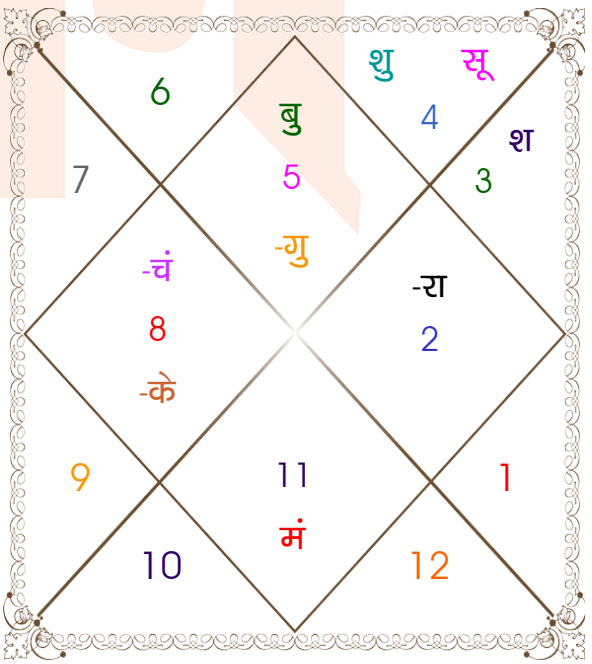

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

कुल : **21.5 / 36**

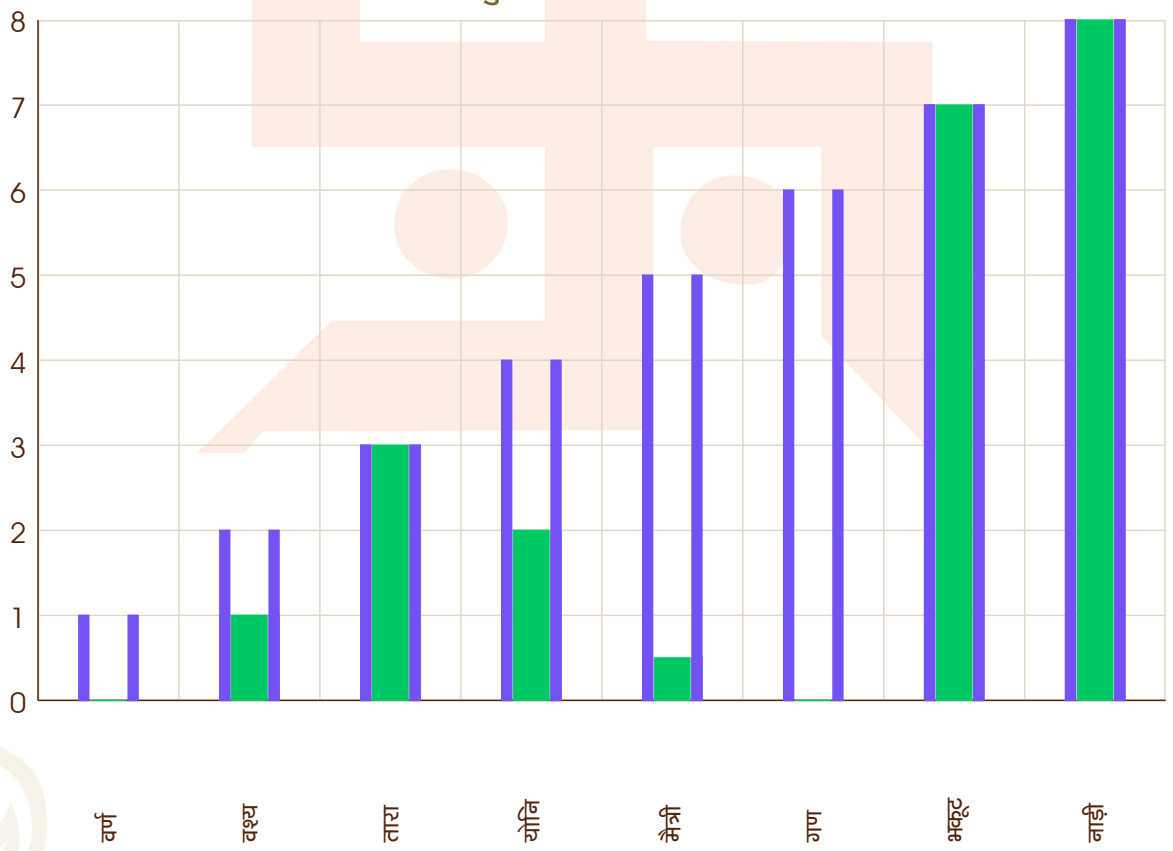

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

क्मअ ानउंत का वर्ग सर्प है तथा Khushbu का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार क्मअ ानउंत और Khushbu का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

क्मअ ानउंत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल क्मअ ानउंत कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्ए;डडत्मजतवह;0द्धझ0द्धझ क्योंकि मंगल क्मअ ानउंत कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Khushbu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Khushbu कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Khushbu कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

क्मअ ानउंत तथा Khushbu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

क्मअ ानउंत का वर्ण शूद्र है तथा Khushbu का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Khushbu का वर्ण क्मअ ानउंत के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच हमेशा अहं का टकराव होगा। Khushbu हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रसित रहेगी तथा हमेशा स्वयं को पति से अधिक होशियार समझती रहेगी। कन्या की यही श्रेष्ठता का स्व अहसास उसके पति एवं बच्चों के विकास को बाधित कर रहेगा। साथ ही क्मअ ानउंत के अन्दर हीन भावना घर कर जायेगी।

वश्य

क्मअ ानउंत का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Khushbu का वश्य कीट है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। फलस्वरूप क्मअ ानउंत एवं Khushbu दोनों के बीच हितों का टकराव होता रहेगा साथ ही दोनों के बीच आपसी सहयोग, समझ एवं सामंजस्य का पूर्णतः अभाव बना रहेगा। कभी-कभी दोनों एक-दूसरे के शत्रु भी बन सकते हैं जिससे प्रगति एवं समृद्धि बाधित होती है। दोनों के बीच घमासान चलता रहेगा तथा तनाव एवं संदेह का माहौल कायम हो सकता है।

तारा

क्मअ ानउंत की तारा जन्म तथा Khushbu की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

क्मअ ानउंत की योनि सिंह है तथा Khushbu की योनि व्याघ्र है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा

भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में क्मअ ानउंत का राशि स्वामी Khushbu के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Khushbu का राशि स्वामी क्मअ ानउंत के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

क्मअ ानउंत का गण मनुष्य तथा Khushbu का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Khushbu का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण क्मअ ानउंत एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

क्मअ ानउंत से Khushbu की राशि दशम भाव में स्थित है तथा Khushbu से क्मअ ानउंत की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण क्मअ ानउंत एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। Khushbu को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। Khushbu हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

क्मअ ानउंत की नाड़ी आद्य है तथा Khushbu की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। क्मअ ानउंत की आद्य नाड़ी तथा Khushbu की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

क्मअ ानउंत की जन्म राशि वायुतत्व युक्त कुम्भ तथा Khushbu की जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि है। नैसर्गिक रूप से वायु एवं जलतत्व में असमानता के कारण इनमें स्वभावगत विषमताएं रहेंगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में मधुरता नहीं होगी तथा वैवाहिक सुख भी अच्छा नहीं होगा। अतः यह मिलान विशेष अनुकूल नहीं रहेगा।

क्मअ ानउंत की जन्म राशि का स्वामी शनि तथा Khushbu की राशि का स्वामी मंगल परस्पर सम एवं शत्रुराशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से क्मअ ानउंत और Khushbu के दाम्पत्य संबंधों में विशेष अनुकूलता नहीं होगी तथा परस्पर प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति के भाव का भी अभाव रहेगा। अतः सुख दुख में एक दूसरे को सहयोग अल्प ही प्रदान करेंगे। साथ ही एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे परस्पर कलह विवाद एवं वैमनस्य का भाव रहेगा। अतः दाम्पत्य जीवन में सुख एवं शांति का अभाव रहेगा।

क्मअ ानउंत और Khushbu की राशियां परस्पर दशम एवं चतुर्थ भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ फलों में न्यूनता आएगी तथा शुभ फलों में वृद्धि होगी। अतः एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति एवं अपनत्व के भाव में वृद्धि होगी तथा सुख दुख में एक दूसरे का पूर्ण ध्यान रखेंगे जिससे संबंधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन भी सुख एवं शांति पूर्वक व्यतीत होगा।

क्मअ ानउंत का वश्य मानव तथा Khushbu का वश्य कीट है। मानव तथा कीट की परस्पर असमानता के कारण इनकी अभिरूचियों में विषमता रहेगी। साथ ही शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं भिन्न होंगी। अतः काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे जिससे संबंधों में तनाव का भाव रहेगा।

क्मअ ानउंत का वर्ण शूद्र तथा Khushbu का वर्ण ब्राह्मण है। अतः इनकी कार्य क्षमता में अंतर रहेगा। क्मअ ानउंत की प्रवृति किसी भी कार्य को करने में रहेगी जबकि Khushbu शैक्षणिक धार्मिक तथा अन्य कार्यो को करने में तत्पर रहेंगी।

धन

क्मअ ानउंत और Khushbu दोनों जनम तारा में उत्पन्न हुए है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने- में समर्थ रहेंगे। साथ ही सम भकूट होने के कारण आर्थिक स्थिति पर इसका कोई शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा परन्तु क्मअ ानउंत के लिए मंगल अशुभ होने के कारण किंचित असुविधा वे आर्थिक क्षेत्र में आलस्य के कारण प्राप्त कर सकते हैं। परन्तु उचित मात्रा में लाभ होने के कारण इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

क्मअ ानउंत और Khushbu दोनों को पैतृक सम्पति की प्राप्ति होने की प्रबल संभावना होगी जिससे आर्थिक सम्पन्नता भी रहेगी एवं धनऐश्वर्य तथा वैभव से युक्त होंगे। यदा कदा क्मअ ानउंत की प्रवृति अनावश्यक व्यय करने की होगी लेकिन उससे उनकी धनसम्पन्नता पर कोई प्रभाव नहीं होगा।

स्वास्थ्य

क्मअ ानउंत आद्य तथा Khushbu अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुई हैं। अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे परन्तु मंगल के प्रभाव से दोनों को समय समय पर शारीरिक कष्ट की प्राप्ति होती रहेगी। इससे दोनों गुप्त रोग या धातु संबंधी रोगों से परेशान रहेंगे तथा हृदय संबधी कोई कष्ट भी हो सकता है। क्मअ ानउंत की रतिक्रिया में शिथिलता रहेगी जबकि Khushbu की संभोग के प्रति उनके मन में उदासीनता का भाव रहेगा फलतः दोनों का दाम्पत्य जीवन सुखमय नहीं होगा। अतः इस प्रभाव की न्यूनता के लिए क्मअ ानउंत और Khushbu को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से क्मअ ानउंत और Khushbu का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त क्मअ ानउंत और Khushbu के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Khushbu के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Khushbu को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Khushbu को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से क्मअ ानउंत और Khushbu सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार क्मअ ानउंत और Khushbu का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Khushbu के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Khushbu अत्यंत ही धैर्य एवं

परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Khushbu पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Khushbu अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

क्मअ ानउंत तथा उनकी सास के संबधों में सामान्यतया मधुरता ही रहेगी। साथ ही आपस में किसी प्रकार के मतभेद या तनाव के भाव की न्यूनता रहेगी। वे अपनी सास के प्रति श्रद्धा तथा सम्मानजनक व्यवहार रखेंगे तथा उन्हें अपनी माता के समान ही आदर प्रदान करेंगे। साथ ही सपत्नीक वह समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में क्मअ ानउंत के संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण दोनों के मध्य काफी वैचारिक विभिन्नता तथा अन्य मतभेद रहेंगे परन्तु यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का प्रदर्शन किया जाय तो इनमें न्यूनता आ सकती है। साथ ही साले एवं सालियों से क्मअ ानउंत के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग, स्नेह तथा सहानुभूति प्राप्त होगी एवं परस्पर मित्रता का भाव रहेगा। इस प्रकार ससुराल के पक्ष का दृष्टिकोण क्मअ ानउंत के प्रति उत्साहवर्द्धक नहीं रहेगा तथा सामंजस्य से ही इसमें अनुकूलता वनी रहेगी।